

गुर्वो धर्मधुरं वक्तुं R. 2, 2, 7. R. GORR. 2, 21, 12. राख्य^० ebend. — 2) der Zapfen (an den beiden Enden) der Achse, der durch die Nabe geht: गुत्तं निधिं धुरमाणिर्नाभिम्^१ V. 5, 43, 8. अन्नधुरौ KĀTJ. ÇR. 8, 3, 22. VOP. 6, 73. — 3) die äusserste Spitze der Deichsel (यानमुख A. K. 2, 8, 23. H. 787. H. a n.) und dann überh. die vorderste, oberste Stelle, Spitze, Ehrenplatz: रथ^० MBH. 3, 13310. रथधूर्गत 1, 5367. DRAUP. 8, 18. यथा हि पुंगवः श्रेष्ठो मये धुरि नियुज्यते HARIV. 3981. न मामधुरि राजेन्द्र नियोक्तुं तमिकार्हसि MBH. 8, 1365. (भृत्यः) धुरि यो न युज्यमानः PAÑKAT. 1, 84. किं वामविष्यद-रूपास्तमसो विभेता तं चेत्सहस्रकिरणो धुरि नाकरिष्यत् ÇĀK. 163. धुरि स्थिता त्वं पतिदेवतानाम् RAGH. 14, 74. 1, 91. 2, 2, 9, 1. MĀLAV. 13, 91. भा-ह्यमे धुरि चान्येषाम् KATHĀS. 3, 113. धुरि आह्व उपविशत् 115. तमैच्छ-दुरमात्मनः ebend. सुबन्धुधुरि तिष्ठतु 116. धुरं दधति वैवर्धो भुवि भवप्र-सादनं ते ebend. S. 96. वेधाः परा धुरमुपैति परीक्षकाणाम् RĀGA-TAR. 2, 60. धूर्गत am Ende eines comp. an der Spitze von — stehend, vorangehend, den ersten Platz einnehmend unter MBH. 1, 2826. 6508. 6, 30. 8, 461. 14, 2053. 15, 456. — 4) unter den Synonymen für Finger aufgeführt NAIGH. 2, 5, weil in Gleichnissen vorkommend, wie (ग्रावाणाः) धूर्ध्वं युष्मद्भ्यं सुनुत RV. 10, 173, 1. दश धुरा दश युक्ता वरुद्धः 94, 7. NIR. 3, 9. — 5) Bez. von sechs eigenthümlich zu singenden Versen des Bahishipavamaṇa SHAPV. BR. 2, 1. fgg. LĪTJ. 7, 12, 1. 11, 21. 13, 1. — 6) धुरा साम, धुरोः शम्यम् und धुरोः साम Namen von Sānian Ind. St. 3, 220. fg. — WILSON hat noch folgende Bedd. agitation, trembling nach MED. (Verwechslung mit धू); reflection, recollection; a spark of fire; a part, a portion nach DHAR.; wealth; a name of the Ganges nach ÇABĀRTHAK. — Vgl. डधुर, दठ^० (wo धुर die Bed. Zapfen an der Achse hat), सु^०.

धुर m. = धुर Träger am Joch; Bürde, Last: वाजिभिर्धुरवाहिभिः MBH. 7, 3675. सुधारिणा धर्मधुरे 13, 4879. Häufig am Ende eines comp. (oxyl.) P. 5, 4, 74. राजधुरः (राजधुरा VOP. 6, 73), महाधुरः Schol. (dagegen महाधुर MBH. 3, 13474). तत्संनिवेशितधुरेणैव भर्त्रा ÇĀK. 95, v. 1. जयावहं ध-र्मधुरावहं च HARIV. 8439. धुरा Bürde, Last BHAR. zu A. K. ÇKDR. अक्रम-पि — सर्वराज्यधुराममात्यपदवीमाश्रित्योद्धरिष्यामि PAÑKAT. 26, 3. समुद्रह-न्मन्त्रिधुरा च तस्य KATHĀS. 4, 136. m. Zapfen an der Achse: उभावन्धुरौ Schol. zu KĀTJ. ÇR. 8, 3, 32. अन्नधुरा ĀPASTAMBA ebend. अग्रधुरायां वोढा-रौ यो स्थितौ Vordertheil der Deichsel PAÑKAT. 8, 16. — Vgl. अधुर, अग्रति^०, उद्धुर, वि^०, सु^०.

धुरंधर (धुरम्, acc. von धुर, + धर) 1) adj. das Joch tragend, zum Anspannen geeignet; m. Zugthier AK. 2, 9, 65. H. 1262. an. 4, 261. MED. r. 272. अन्नधुरान् MBH. 3, 12724. 13380. गुरुशकटधुरंधर (गवेन्द्र) PAÑKAT. ed. orn. 1, 17. — 2) adj. die ihm aufgeladene Bürde mit Ergebung tra-gend: दुःखं च काले सक्ते महात्मा धुरंधरस्तस्य जिताः सपत्न्याः MBH. 5, 1077. वने वसन्नतिथिष्वप्रमत्तो धुरंधरः पुण्यकृदेष तापसः 1404. — 3) adj. Jmd (gen.) aus der Noth helfend: सत् एव सती नित्यमापडहरणतमाः । गजानां पङ्कमगानां गजा एव धुरंधराः ॥ HIT. I, 181. — 4) m. Spitzführer, Vordermann: कौरवाणाम् MBH. 13, 6275. 7689. 14, 2336. 15, 48. 5, 90. HARIV. 1823. Als Beiw. Çiva's Çiv. — 5) m. pl. N. pr. eines Volkes MBH. 6, 349 (VP. 187). — 6) m. N. pr. eines Rakschas R. 6, 32, 15. — 7) m. = धव Grislea tomentosa ROXB. H. a n. MED. RATNAM. im ÇKDR. NIGH. Pr. धुरा adv. gewaltsam: तस्माड् ह स्वपत्तं धुरेव न बोधयेन्नेदेते देवते मि-

थुनीभिवत्तौ किनसानीति ÇAT. BR. 10, 3, 2, 12. — Vielleicht zusammen-hängend mit धुर, धूर्व.

धुरिका f. demin. von धुर in der Bed. 2. Schol. zu KĀTJ. ÇR. 8, 3, 32. 4, 5. धुरीणा (von धुर) 1) adj. zum Anspannen geeignet; m. Zugthier AK. 2, 9, 65. H. 1262. — 2) m. Spitzführer: ब्रह्मव्रतधुराणाम् PAÑKAT. 187, 13. HIT. 27, 6. — Vgl. उत्तर^०, एक^०, दत्तिण^०, सर्व^०.

धुरीय (wie eben) adj. zum Anspannen geeignet; m. Zugthier RĀGAN. im ÇKDR.

धूर्य (wie eben) = धुरं वरुति P. 4, 4, 77. 8, 2, 79. häufig fälschlich धूर्य geschrieben. 1) adj. zum Anspannen geeignet, zum Ziehen abgerich-tet (Gegens. दम्य); m. Zugthier AK. 2, 9, 65. H. 1262. अन्नधुरान् MBH. 13, 3518. 3599. 4427. नाविनीतिव्रजेर्धूर्यः M. 4, 67. JĀGĀ. 1, 210. वीर्यमास्थाय कौरव्य धुरमुदहं धूर्यवत् MBH. 3, 1320. 4, 1414. 5, 2307. 6, 33. 8, 375. 13, 2855. 2959. R. GORR. 2, 117, 15. MRĀKḤ. 121, 7. RAGH. 1, 54. 6, 78. धूर्याणां च धुरो मेतन्म 17, 19. KUNĀRAS. 6, 76. महाधूर्य R. GORR. 2, 11, 11. रथ^० MBH. 13, 7429. uneig.: सो ऽहं कथमिमं भारं महाधूर्यसमुद्यतम् । दम्यो धु-रमिवासाद्य सक्तेयं केन वैजसा ॥ R. 2, 73, 14. तस्या (धुरो जगतः) भवान-परधूर्यपदावलम्बी RAGH. 5, 66. — 2) adj. subst. an der Spitze, — oben-an stehend, der vordere, der beste; Vordermann, Spitzführer MBH. 3, 13309. 4, 1074. 5, 5256. धूर्यानुत्सृज्य तु रथान्भूषणैश्चाप्यलंकृतान् 7, 8916. वाहान् 8, 1762. धूर्यासनमथासाद्य निपसाद महानृपिः Ehrensitz 3, 8619. धूर्यस्य मन्त्रिणाः des ersten Ministers KATHĀS. 9, 14. RĀGA-TAR. 4, 495. 1, 89. धीराणां धूर्ययौगंधरायणाम् KATHĀS. 13, 61. 16, 147. 18, 109. 137. BHĀG. P. 4, 22, 49. 24, 33. 9, 11, 7. RĀGA-TAR. 2, 95 (wo wohl ऽधिकारिणाम् zu lesen ist). MBH. 7, 1061. कुल^० an der Spitze des Geschlechts stehend oder die Bürde der Familie tragend 3, 11826. RAGH. 7, 68. धर्म^० KĀM. NITIS. 5, 48. — 3) m. (als Name für Zugthier, Stier) eine best. Heil-pflanze, = स्रग्भ RĀGAN. im ÇKDR. — 4) n. Vordertheil der Deichsel: धूर्यं धूर्येण (sic) रथयोर्वक्त्रैर्वक्त्राणि वाजिनान् । पताकाश्च पताकाभिः स-मोयुः स्थितयोस्तयोः ॥ R. 6, 92, 7. धूर्यान्धूर्यगतांस्तान् MBH. 8, 617.

धूर्व s. धूर्व.

धूर्वक und धूर्वाक false Formen für धू^०.

धुवक m. = गर्भमाचक UḁḁVAL. zu UNĀDIS. 2, 32. धुवक neben धुवक im gaṇa पिच्छादि zu P. 5, 2, 100. धुवका neben धुवका im gaṇa प्रेता-दि zu P. 4, 2, 80 und तिपकादि zu P. 7, 3, 45. VĀRTI. 6. = धुवका UNĀ-DIK. im ÇKDR. the introductory stanza to a song, forming afterwards the burthen of each verse WILS.

धुवर्किन् von धुवका gaṇa प्रेतादि zu P. 4, 2, 80.

धुवर्किल adj. von धुवका gaṇa पिच्छादि zu P. 5, 2, 100.

धुवन (von धू) UNĀDIS. 2, 80. 1) m. ved. Feuer UḁḁVAL. — 2) n. a) das Schütteln: ये यस्ते धुवनं तन्वते ÇAT. BR. 13, 2, 8, 5. 14, 1, 2, 32. — b) Richt-plat: (वध्यस्थान Schol.): न धुवनं गच्छेत् ÇĀKḤ. GRH. 4, 12.

धुवित्र n. = धवित्र AK. 2, 7, 23.

धुम्रत्या (?) f. N. pr. eines Flusses VP. 183, N. 39.

धुम्रतूर m. = धुम्रतूर BHAR. zu AK. 2, 4, 2, 58. ÇKDR.

धुम्रतूर m. Stechapfel UḁḁVAL. zu UNĀDIS. 4, 90. AK. 2, 4, 2, 58. धुम्रतूर-

संपुक्तं मयम् KATHĀS. 13, 142. सधुम्रतूरकं मधु 146. — Vgl. धुतूर.

1. धू (धु). धूनाति und धूनुते (später auch धूनाति und धूनुते) DAṆṬUP.